मेरठ, अमरोहा, हापुड़, कन्नौज क्लस्टर निवेशकों की पहली पसंद

27 जिलों में बन रहे आईएमएलसी क्लस्टर, 70 फीसदी से ज्यादा जमीन हुई अधिग्रहीत

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) द्वारा विकसित किए जा रहे इंटीग्रेटेड लॉजिस्टिक्स एंड मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर (आईएमएलसी) प्रदेश में 27 जिलों में बन रहे हैं। अभी तक 7400 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिल चुके हैं। इनमें 6900 करोड़ के प्रस्ताव केवल हापुड़, अमरोहा, कन्नौज और मेरठ के लिए हैं।

साफ है कि सस्ती जमीन, श्रम और सीधी सड़क, रेल व हवाई कनेक्टिविटी ने निवेशकों को आकर्षित किया है। आईएमएलसी के तहत गंगा एक्सप्रेसवे के नजदीक 11 जिलों में क्लस्टर का विकास किया जा रहा है। इनमें उन्नाव, हरदोई, शाहजहांपुर, संभल, बंदायू, मेरठ और प्रतापगढ़ में जमीन का अधिग्रहण तेजी से हो रहा है। वहीं रायबरेली, अमरोहा, हापुड़ और प्रयागराज में अधिग्रहण की रफ्तार धीमी है।

यहां किया गया 75% अधिग्रहण

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के किनारे सुल्तानपुर, अंबेडकरनगर, अमेठी, बाराबंकी और गाजीपुर में क्लस्टर बनाए जा रहे हैं। यहां भी 3383 एकड़ में 75 फीसदी जमीन का अधिग्रहण हो चुका है। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे के नजदीक गोरखपुर और अंबेडकरनगर में 514 एकड़ पर क्लस्टर बनाए जाएंगे। इसमें 75 फीसदी जमीन का अधिग्रहण हो चुका है।

छह क्लस्टर के लिए 80% अधिग्रहण हुआ : बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के किनारे छह जिलों में क्लस्टर बन रहे हैं। यहां बांदा, औरैया, महोबा, हमीरपुर, जालौन और चित्रकूट में 4723 एकड़ जमीन का अधिग्रहण हो रहा है। इसमें 80% से ज्यादा जमीन अधिग्रहीत की जा चुकी है। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के किनारे इटावा, फिरोजाबाद, कन्नौज में क्लस्टर के लिए 913 एकड़ जमीन का अधिग्रहण हो रहा है, जिसमें से 60% अधिग्रहीत की जा चुकी है।

	मेरठ	अमरोहा	हापुड़	कन्नौज
जमीन का अधिग्रहण एकड़ में	528	347	304	352
निवेश प्रस्ताव मिले	48	04	33	04
प्रस्तावित निवेश करोड़ रुपये में	4116	1120	828	1005